आईआईएम राँची में पोलिसी कन्वर्सेशन सीरीज का आयोजन हुआ

युवा कृषि को अपनाकर बेहतर भविष्य का कर सकते हैं निर्माण : प्रो. रमेश

रांची, विशेष संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची में शुक्रवार को पॉलिसी कन्वर्सेशन सीरीज का आयोजन हुआ। इसमें नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए। मौके पर संस्थान की ओर से तैयार रिसर्च मेथड्स ग्रुप (आरएमजी), का औपचारिक उद्घाटन किया गया।

प्रो. रमेश चंद ने अपने व्याख्यान में अपनी शैक्षणिक यात्रा को साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने बीएससी ऐग्रिकल्चर के बाद शोध कार्य को अपना जीवन-लक्ष्य बनाया। उन्होंने कहा कि देश के सभी शैक्षणिक संस्थानों को शोध और नवाचार की नई पद्धतियां विकसित करनी चाहिए ताकि आम नागरिक तक नई तकनीक और प्रबंधन ज्ञान पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि सरकार विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में प्रत्येक क्षेत्र की संभावनाओं को सशक्त बना रही है, ताकि भारत आर्थिक रूप से मजबूत राष्ट्र के रूप में उभर सके। प्रो. रमेश ने कृषि क्षेत्र की संभावनाओं पर कहा कि यह क्षेत्र न सिर्फ देश के विकास की रीढ़ है, बल्कि आगे की प्रगति का माध्यम भी बन सकता है। बताया कि आज भी देश की 46 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। कहा, युवा कृषि को अपनाकर बेहतर भविष्य का कर सकते हैं।

आईआईएम में शुक्रवार को प्रो. रमेश का स्वागत करते निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव।

Hindustan_25.10.2025_P. 9

कृषि को अपनाकर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं युवा : प्रो रमेश

आइआइएम रांची में नीति संवाद शृंखला के तहत व्याख्यान

संवाददाता, रांची

आइआइएम रांची में शुक्रवार को पॉलिसी कन्वर्सेशन सीरीज का आयोजन हुआ. मुख्य वक्ता नीति आयोग के सदस्य प्रो रमेश चंद थे. प्रो चंद ने कहा कि देश के सभी शैक्षणिक संस्थानों को शोध और नवाचार की नयी पद्धतियां विकसित करनी चाहिए. विशेष रूप से कृषि क्षेत्र की संभावनाओं पर कहा कि यह क्षेत्र न केवल देश के विकास की रीढ़ है, बल्कि आगे की प्रगति का माध्यम भी बन सकता है. उन्होंने बताया कि आज भी देश की लगभग 46 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है. वर्ष 2015-16 से 2024-25 के बीच कृषि क्षेत्र की औसत वार्षिक वृद्धि दर 4.45 प्रतिशत रही है. उत्पादन में वृद्धि से न सिर्फ देशवासियों को लाभ होगा, बल्कि निर्यात बढ़ाकर भारत अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकता है. प्रो रमेश ने फील्ड क्रॉप्स और हॉर्टिकल्चर फसलों की उत्पादन

आइआइएम रांची में पॉलिसी कन्वर्सेशन सीरीज का आयोजन हुआ.

संभावनाओं पर चर्चा की. साथ ही प्रबंधन के छात्रों को कृषि क्षेत्र के अवसर से प्रेरित किया. उन्होंने छात्रों को कृषि क्षेत्र में योगदान देने और इसके प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा दी. उन्होंने कहा कि युवा कृषि को अपनाकर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं.

इस दौरान रिसर्च मेथड्स ग्रुप (आरएमजी) का औपचारिक उद्घाटन हुआ. प्रो कुशाग्र शरण ने रिसर्च मेथड्स ग्रुप की अवधारणा और उद्देश्य बताये. उन्होंने बताया कि देश-विदेश के संस्थान आज आपसी सहयोग के माध्यम से शोध को आगे बढ़ा रहे हैं. ऐसे में आरएमजी का उद्देश्य अन्य शैक्षणिक संस्थानों को आइआइएम रांची के साथ जोड़कर नवीन शोध गतिविधियों से प्रेरित करना है. निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि आरएमजी एक सार्थक पहल सिद्ध होगी.

- Prabhat Khabar_25.10.2025_P.07

युवा कृषि परंपरा को अपनाकर बेहतर भविष्य एवं राष्ट्र का कर सकते हैं निर्माण : प्रो. रमेश

आईआईएम रांची में नीति संवाद श्रृंखला के तहत प्रो. रमेश चंद ने दिया व्याख्यान

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में पॉलिसी कन्वर्सेशन सीरीज का आयोजन 24 अक्टूबर, 2025 को हुआ। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए। मौके पर संस्थान की ओर से तैयार ह्वरिसर्च मेथड्स ग्रुप (आरएमजी)ह्व का औपचारिक उद्घाटन किया गया। स्वागत सम्बोधन करते हुए प्रो. कुशाग्र शरण ने रिसर्च मेथड्स ग्रुप की अवधारणा और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि देश-विदेश के संस्थान आज आपसी सहयोग के माध्यम से शोध कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। ऐसे में आरएमजी का उद्देश्य अन्य शैक्षणिक संस्थानों को आईआईएम रांची के साथ जोड़कर नवीन शोध गतिविधियों से प्रेरित करना है।

यह समूह शोधकर्ताओं की दार्शनिक नींव, कार्यप्रणाली एकीकरण और विश्लेषणात्मक क्षमताओं पर केंद्रित रहेगा-जिसमें मात्रात्मक, गुणात्मक और मिश्रित शोध विधियों का प्रयोग, सांख्यिकीय और संगणकीय विश्लेषण उपकरणों का उपयोग, शोध सहयोग की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संभावनाओं को बढ़ाने की दिशा में प्रयास किए जायेंगे। आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि प्रबंधन संस्थानों के शोध कार्य शासन एवं सार्वजनिक नीतियों को दिशा प्रदान करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस संदर्भ में आरएमजी एक सार्थक पहल सिद्ध होगी। संस्थान समाज के लिए उत्तरदायी प्रबंधक तैयार करने की दिशा में कार्य कर रहा है। प्रो. दीपक ने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों के अनुरूप क्षमता निर्माण और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संस्थान निरंतर प्रयासरत है। ऐसे में शोध को क्यों और कैसे के प्रश्नों पर आधारित रखना जरूरी है, जिससे हम भविष्य की संभावनाओं का अधिकतम लाभ उठा सकें। मुख्य अतिथि प्रो. रमेश चंद ने अपनी शैक्षणिक यात्रा को साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने बीएससी ऐग्रिकल्चर के बाद शोध कार्य को अपना जीवन-लक्ष्य बनाया। उनके पिता उन्हे एमबीए करना चाहते थे, प्रबंधन सिकक्षण संस्थान में दाखिले के क्रम में मिली असफलता ने उन्हे शोध की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। प्रो चंद ने कहा कि देश के सभी शैक्षणिक संस्थानों को शोध एवं नवाचार की नई पद्धतियां विकसित करनी चाहिए, ताकि आम नागरिक तक नई तकनीक और प्रबंधन ज्ञान पहुंच सके। उन्होंने कहा कि सरकार विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में प्रत्येक क्षेत्र की संभावनाओं को सशक्त बना रही है, ताकि भारत आर्थिक रूप से मजबूत राष्ट्र के रूप में उभर सके।

Pratah Nagpuri 25.10.2025

आईआईएम में शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए रिसर्च मैथड्स ग्रुप शुरू

रांची| भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची में शुक्रवार को पॉलिसी कन्वर्सेशन सीरीज का आयोजन हुआ। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए। प्रो. चंद ने कहा कि देश के सभी शैक्षणिक संस्थानों को शोध एवं नवाचार की नई पद्धतियां विकसित करनी चाहिए, ताकि आम नागरिक तक नई तकनीक और प्रबंधन ज्ञान पहुंच सके। इस अवसर पर संस्थान की ओर से तैयार रिसर्च मैथड्स ग्रुप (आरएमजी) का औपचारिक उद्घाटन किया गया। प्रो. रमेश चंद ने फील्ड क्रॉप्स और हॉर्टिकल्चर फसलों की उत्पादन संभावनाओं पर भी चर्चा की।

Dainik Bhaskar_25.10.2025_P.02

युवा कृषि परंपरा को अपनाकर बेहतर भविष्य व राष्ट्र का कर सकते हैं निर्माण : प्रो. रमेश

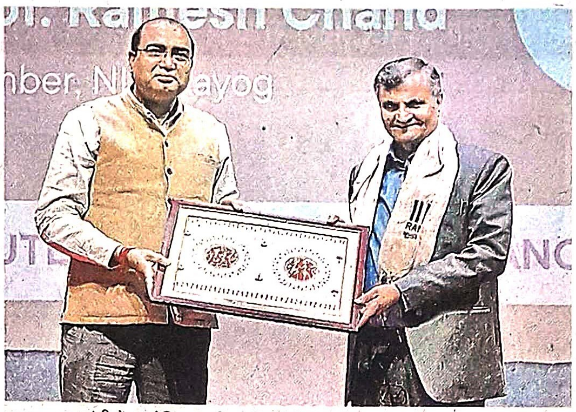

आइआइएम रांची में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि का स्वागत करते निदेशक • जागरण

- शोध कार्यो को बढ़ावा देने के लिए संस्थान में रिसर्च मेथड्स ग्रुप की शुरुआत, बढ़ेगी शोध की गुणवत्ता
- आइआइएम रांची में नीति संवाद शृंखला के तहत प्रो. रमेश चंद ने दिया अपना व्याख्यान

जागरण संवाददाता, रांची : आइआइएम रांची में पालिसी कन्वर्सेशन सीरीज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य प्रो. रमेश चंद बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए। इस अवसर पर संस्थान की ओर से तैयार रिसर्च मेथड्स ग्रुप (आरएमजी) का उद्घाटन किया गया। स्वागत संबोधन करते हुए प्रो. कुशाग्र शरण ने रिसर्च मेथड्स ग्रुप की अवधारणा और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि देश-विदेश के संस्थान आज आपसी सहयोग के माध्यम से शोध कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। ऐसे में आरएमजी का उद्देश्य अन्य शैक्षणिक संस्थानों को आइआइएम रांची के साथ जोड़कर नवीन शोध गतिविधियों से प्रेरित करना है। यह समूह शोधकर्ताओं की दार्शनिक नींव, कार्यप्रणाली एकीकरण और विश्लेषणात्मक क्षमताओं पर केंद्रित रहेगा, जिसमें मात्रात्मक, गुणात्मक और मिश्रित शोध विधियों का प्रयोग, सांख्यिकीय और संगणकीय विश्लेषण उपकरणों का उपयोग तथा शोध सहयोग की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संभावनाओं को बढ़ाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे।

आइआइएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक श्रीवास्तव ने कहा प्रबंधन संस्थानों के शोध कार्य शासन एवं सार्वजनिक नीतियों को दिशा प्रदान करने में अहम भूमिका निभाते हैं। आरएमजी एक सार्थक पहल सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि संस्थान समाज के लिए उत्तरदायी प्रबंधक तैयार करने की दिशा में कार्य कर रहा है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों के अनुरूप क्षमता निर्माण और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संस्थान निरंतर प्रयासरत है।

शोध कार्य को बनाया अपना जीवन लक्ष्य : मुख्य अतिथि प्रो. रमेश चंद ने अपनी शैक्षणिक यात्रा साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने बीएससी एग्रीकल्चर के बाद शोध कार्य को अपना जीवन-लक्ष्य बनाया। जबकि उनके पिता उन्हें एमबीए कराना चाहते थे, प्रबंधन शिक्षण संस्थान में दाखिले के क्रम में मिली असफलता ने उन्हें शोध की दिशा में आगे बढ़ने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा देश के सभी शैक्षणिक संस्थानों को शोध एवं नवाचार की नई पद्धतियां विकसित करनी चाहिए ताकि आम नागरिक तक नई तकनीक और प्रबंधन ज्ञान पहुंच सके। उन्होंने कहा कि सरकार विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में प्रत्येक क्षेत्र की संभावनाओं को सशक्त बना रही है ताकि भारत आर्थिक रूप से मजबूत राष्ट्र के रूप में उभर सके। उन्होंने कहा कृषि क्षेत्र न केवल देश के विकास की रीढ़ है बल्कि आगे की प्रगति का माध्यम भी बन सकता है। उन्होंने बताया आज भी देश की लगभग 46 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। वर्ष 2015-16 से 2024-25 के बीच कृषि क्षेत्र की औसत वार्षिक वृद्धि दर 4.45 प्रतिशत रही। उत्पादन में वृद्धि से न केवल देशवासियों को लाभ होगा बल्कि निर्यात बढ़ाकर भारत अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकता है।

Dainik Jagran_25.10.2025_P. 4